बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

**सत्संग शिक्षण परीक्षा** ( पूर्व कसौटी - ७ जून, २००९ )

(समय : दोपहर २:०० से ५:००)

# सत्संग प्रवीण - २

**सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं ।** **कुल गुण : १००**

## विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण -प्रथम संस्करण, अप्रैल - २००३

**प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए ।** [ ९ ]

१. ''यह तो महाराज की आज्ञा से हम शांत हैं ।'' (९६)
२. ''यदि हम सिर्फ़ जीवों के गुनाहों की ओर देखते रहे तो किसी का भी मोक्ष न होता ।'' (२३)
३. ''इस पानी के घड़े में आप अपने चरण का स्पर्श कीजिए ।'' (७७)

**प्र.२ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । ( बारह पंक्ति में )** [ ९ ]

१. बंगाल के आश्रम में चंद्रमा का शीतल प्रकाश आ गया । (६५)
२. श्रीजीमहाराज ने ४०० संतों को सूरत भेज दिया । (३०)
३. उकाखाचर को सभा में आने में देर हो गई । (११)
४. प्रकट ब्रह्मस्वरुप संत का ध्यान हो सकता है । (४४)

**प्र.३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । ( बारह पंक्तियों में )** [ ८ ]

१. भक्तराज मगनभाई । (१०१) **अथवा** २. संप्रदाय के तीर्थस्थान । (२४)
३. कल्याण । (९८) **अथवा** ४. वचनामृत । (५८)

**प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक ( संपूर्ण ) वाक्य में उत्तर लिखिए ।** [ ६ ]

१. स्वामिनारायण संप्रदाय के संतों की रीत समाज में निराली क्यों है ? (१४)
२. श्रीजीमहाराज विश्राम कर रहे थे तब जेठा मेर ने अपनी पत्नी से क्या कहा ? (५५)
३. उका खाचर सारे संप्रदाय में क्यों प्रसिद्ध है ? (११)
४. गणपतिजी क्यों परेशान थे ? (७१)
५. अन्न और द्रव्य की शुद्धि कब होती है ? (३)
६. कृपानंद स्वामी को साँप ने डँस लिया तब उन्होंने क्या कहा ? (५८)

**प्र.५** ''कभी अपने आप को दु:खी मत समझो.....'' (८४) **'स्वामी की बात' पूर्ण करके विवरण लिखिए ।** [ ५ ]

**प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें ।** [ ५ ]

**विषय : मानसी पूजा ( ४६ )**

**१.** प्रत्यक्ष भगवान की मूर्ति और धाम की मूर्ति में कोई अंतर नहीं है । **२.** ऋतु के अनुसार भोजन, वस्त्र आदि अर्पण करना । **३.** भगवान के सामीप्य का अनुभव होता है । **४.** भगवान की माहात्म्यज्ञान से युक्त भक्ति के साथ करनी । **५.** उत्तम लक्षणवाले संत की प्रगाढ़ प्रेमपूर्वक एक समान सेवा करता है । **६.** अष्टांग योग में सातवाँ अंग है । **७.** भक्त को भगवान के प्रति प्रेम और भक्ति की वृद्धि होती है और जीव का कल्याण होता है । **८.** पूर्व या उत्तर दिशा में मुख करके आत्मविचार करना । **९.** जिस प्रकार अक्षर में रहे हैं वैसे किसी दूसरे में नहीं रहे । **१०.** इसी जन्म में उत्तम भक्त हो जाता है ।

**केवल नंबर :-** ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

**प्र.७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए ।** [ ८ ]

१. ''सत्संगी जे तमारा ..... अमने न नडे ।'' (८१)
२. ''वहाला तारी नाभि ..... नव कहुं रे लोल ।'' (६९)
३. ''कल्पतरु सर्वना ..... तत्काल त्यारे ।'' (१७)
४. ''होत पालन प्रलय ..... पुरुष अकामी ।'' (१०)

**प्र.८ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए ।** [ ६ ]

१. ''परमहंसाय नम: ..... ध्याननिष्ठाय नम: ।'' (५०)
२. ''सद्ग्रन्थ ..... शरणं प्रपद्ये ।'' (२८)
३. ''अहो बत श्वपचोडतो ..... गृणन्ति ये ते ।'' (१००) **श्लोक का हिन्दी भाषांतर कीजिए ।**

## विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२

**प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए ।** [ ९ ]

१. ''अहो साधुराम ! क्या आप रोज इतनी भूख सहन करतें हैं ?'' (३३)
२. ''परंतु भविष्य में वे बड़ी हवेली में रहेंगे और हजारों भक्तों के नियंता होंगे ।'' (१०)
३. ''वहाँ मेरी कोई पहचान तो है नहीं ।'' (७१)

(पृष्ठ पलटिये)

---

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है।
निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महिना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

**सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में ( बैठक कक्ष में ) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । ( अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहीं होंगी । )**

**प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । ( नौ पंक्ति में )** **[ ९ ]**

१. वस्ता बारबार जूनागढ़ चला आता था । (७२)
२. अहमदाबाद के पीतांबरदास साधु विज्ञानदासजी बने । (८२)
३. वरताल में शुकमुनि ने गुणातीतानंद स्वामी को अक्षर कहने से इनकार किया । (८२)
४. वासुदेवचरणदास को शान्ति का अनुभव हुआ । (६३)

**प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । ( बारह पंक्तियों में )** **[ ८ ]**

१. जूनागढ़ के मंदिर के महंतपद पर । (४५)
२. रंक से राय । (६७)
३. बालचरित्र । (३)

**प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक ( संपूर्ण ) वाक्य में उत्तर लिखिए ।** **[ ६ ]**

१. मूलजी शर्मा के माता-पिता का नाम क्या था ? (१)
२. गुणातीतानंद स्वामी के जमान बनकर महाराज ने क्या कहा ? (४४)
३. गुणातीतानंद स्वामी के मुख से श्रीजीमहाराज के पुरुषोत्तम स्वरूप की बातें सुनकर गोपालानन्द स्वामी क्या कहते थे ? (५३)
४. मूलजी भक्त संसार छोडकर महाराज को किस गाँव में मिले ? (१४-१५)
५. महाराज कब स्वधाम पधारें ? (५०)
६. गुणातीतानंद स्वामी को क्या खाते देखकर नागर भक्त नि:स्वादी हुए ? (६९)

**प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । ( बारह पंक्तियों में )** **[ ४ ]**

१. ये साधु भोजन करना अच्छा जानतें हैं । (२८)
२. मेरे वचन तो एक जोगी ही बदल सकते हैं । (५२)
३. संत पारस चंदन बावना । (८०)

**प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही ( ✓ ) का निशान करें ।** **[ ८ ]**

**सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।**

१. गुणातीतानंद स्वामी ने किस किस का परिवर्तन किया ? (५७, ५८, ८२, ३०)
(१) ☐ मुंजा सुरु (२) ☐ वालेरा वरु (३) ☐ पीतांबरदास (४) ☐ जोबन पगी

२. गुणातीतानन्द स्वामी के कृपापात्र शिष्य कौन थे ? (८०)
(१) ☐ शिवलाल शेठ (२) ☐ हंसराज पटेल (३) ☐ बालमुकुंददासजी (४) ☐ स्वामी यज्ञेश्वरदासजी

३. गुणातीतानन्द स्वामी संतों को कौन से हरिभक्तों का सत्संग करने के लिए कहते थे ? (७०)
(१) ☐ कमीगढ़ गाँव के रयो देसाई । (२) ☐ वंथली गाँव के कल्याणभाई ।
(३) ☐ बगसरा गाँव के राम भंडेरी । (४) ☐ हामापर गाँव के करसन बांभणिया ।

४. गुणातीतानन्द स्वामी के मुख से प्रसंगोपात्त कहे गये वाक्य । (७०, ३०, ८३)
(१) ☐ 'जब गुरु सोलह आनी सदाचारी (शत प्रतिशत) आचरण रखे, तो शिष्य एक आनी (एक प्रतिशत) सदाचारी आचरण रखेगा ।'
(२) ☐ 'बिना बताये मनुष्य को अपने दोष नहीं दिखाई देते ।'
(३) ☐ 'मीठा व्हाला केम विसरुं, मारुं तमथी बांधेल तन हो.....'
(४) ☐ 'जितने में राजा का राज्य उतने में रानी का राज्य ।'

**सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ५ जुलाई, २००९ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें ।**

❋ ❋ ❋